



# मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग : पूजा के तूफान में उड़ा भोपाल वुल्स, चंबल घड़ियल्स की एकतरफा जीत

**स्टार ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकार (63) ने जड़ा अतिथी अर्धशतक**

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग सिंधिया कप 2026 के महिला वर्ग में शनिवार को डेली कालेज मैदान पर एकतरफा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय स्टार खिलाड़ी पूजा वस्त्राकार के तूफानी अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने भोपाल वुल्स को 43 रनों के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। चंबल की इस धमाकेदार जीत की सूत्रधार पूजा रही, जिन्होंने भोपाल के गेंदबाजी आक्रमण

को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल घड़ियल्स की शुरुआत सधी हुई रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर ने तेजी से रन बटोरते हुए 18 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 26 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद मैदान पर उतरी पूजा वस्त्राकार ने भोपाल के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया। पूजा ने मैदान के चारों ओर आकर्षक स्ट्रोकस खेलते हुए महज 35 गेंदों में 180.00 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। रहिला फिरदौस की 21 रनों की उपयोगी पारी की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 153 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भोपाल की ओर से संस्कृति

गुसा और ऋषिता परिहार ने 2-2 विकेट चटकाए। 154 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल वुल्स की टीम चंबल के गेंदबाजों की सटीक लाइन-लेंथ के सामने शुरू से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज रोशनी कुमारी (21 रन) और मध्यक्रम में संस्कृति गुसा (21 रन) ने विकेट पर टिकने का प्रयास जरूर किया, लेकिन वे रन गति को बढ़ाने में पूरी तरह नाकाम रहें। चंबल घड़ियल्स की ओर से वैष्णवी सिंघ ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उनका बखूबी साथ निभाते हुए अदिति पवार ने 21 रन देकर 2 विकेट और रचना यादव ने 27 रन देकर 2 विकेट चटकाकर भोपाल की कमर तोड़ दी। इस धारदार गेंदबाजी के सामने

भोपाल की पूरी टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 110 रन ही बना सकी। चंबल घड़ियल्स ने इस मुकाबले को जीतकर सिंधिया कप में अपनी बादशाहत कायम रखी। एक अन्य रोमांचक मैच में बुदेलखंड वुल्स 3 विकेट से जीता। डेली कालेज मैदान पर ही खेले गए एक अन्य रोमांचक मुकाबले में बुदेलखंड वुल्स ने रायल निमाड़ इंगल्स को 3 विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रायल निमाड़ इंगल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 146 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जबकि लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुदेलखंड वुल्स की टीम ने 19 ओवरों में 7 विकेट खोकर 147 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

## न्यूज़ ब्रीफ

**श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये या कप्तान : मांजरेकर**



मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेयस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारूप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिया गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। इसके अलावा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हेरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पकड़े पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है। ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

**सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है : एमएसके प्रसाद**

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि



सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बात गलत है। वास्तविकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्ता हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसपरित बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे। प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे उर्र प्रकाश से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता। दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है।

**2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पटान नै रखा अपना पक्ष**

नई दिल्ली। भारत के पूर्व आलराउंडर इरफान पटान ने



2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजु सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पटान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पटान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय आलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं।

## मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग : जबलपुर रायल लायंस के शेरों के आगे पिंक पैथर्स ढेर

**अजय रोहेश का आकर्षक अर्धशतक, रितिक टाडा व संजोग निज्जार की अतिथी पारियों से इंदौर को पांच विकेट से रौंदा**

इंदौर

स्थानीय होल्कर स्टेडियम में खेले जा रहे मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल-2026) के सातवें मुकाबले में शुक्रवार को जबलपुर रायल लायंस ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए इंदौर पिंक पैथर्स को 5 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट में इंदौर की यह लगातार दूसरी हार है, जिससे टीम की आगे की राह अब कठिन हो गई है। इंदौर द्वारा दिए गए 149 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को जबलपुर ने मात्र 18 ओवरों में 5 विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया। जबलपुर की इस धमाकेदार जीत के सामने इंदौर की गेंदबाजी रणनीति पूरी तरह असहय और नाकाम नजर आई।

जबलपुर रायल लायंस के आलराउंडर रितिक टाडा को उनके शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने पहले गेंदबाजी में किफायत बरतते हुए 1 महत्वपूर्ण विकेट झटका और फिर बल्लेबाजी में इंदौर के आक्रमण की



धज्जियां उड़ते हुए मात्र 27 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के जड़कर 47 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली।

**शीर्ष क्रम ध्वस्त, कप्तान वेंकटेश ने संमाला**

इससे पहले जबलपुर रायल लायंस के कप्तान राहुल बाथम ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पिच से मिल रही शुरुआती मदद का जबलपुर के गेंदबाजों ने पूरा फायदा उठाया। बल्लेबाजी का आमंत्रण पाकर उतरी इंदौर की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार खाता खोले बिना ही पुनीत दाते का शिकार बने, जबकि करण तहलियानी (4) और अर्धवर् जोशी (8) भी सस्ते में पवेलियन लौट गए।

इस संकटपूर्ण स्थिति में कप्तान वेंकटेश अय्यर ने मोर्चा संभाला और 40 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 33 रनों की संयमित कप्तानी पारी खेली। मध्यक्रम में सिद्धार्थ अग्रवाल ने 15 रन और सारांश पहले गेंदबाजी में किफायत बरतते हुए 1 महत्वपूर्ण विकेट झटका और फिर बल्लेबाजी में इंदौर के आक्रमण की

रणों की उपयोगी पारियों की बदौलत इंदौर ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 148 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। जबलपुर की ओर से तेज गेंदबाज पंकज पटेल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 30 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि राहुल बाथम को दो, पुनीत दाते और ऋतिक टाडा को एक-एक सफलताएं मिलीं।

**रोहेश-टाडा का प्रहार, निज्जार का कड़क फिनिश**

जवाब में 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जबलपुर की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज अर्पित गौड़ खाता खोले बिना आउट हो गए, जिसके बाद अभिषेक भंडारी भी 6 रन बनाकर चलते बने। दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज अजय रोहेश और रितिक टाडा ने इंदौर के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोला।

अजय रोहेश ने मोर्चे से अग्रवाड़ करते हुए 41 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 51 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। दूसरे छोर से रितिक टाडा ने इंदौर के आक्रमण की धज्जियां उड़ते हुए

मात्र 27 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के जड़कर 47 रन कूट डाले। इन दोनों के आउट होने के बाद मैच थोड़ा रोमांचक मोड़ पर पहुंचा, लेकिन संजोग निज्जार ने इंदौर की चापसी को उम्मीदों पर पानी फेर दिया। निज्जार ने मात्र 13 गेंदों में नाबाद 23 रन बनाए और 18वें ओवर में शिवम शुक्ला को गेंदों पर दो गगनचुंबी छक्के जड़कर टीम को 12 गेंदें शेष रहते ही 5 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी। कप्तान राहुल बाथम 3 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंदौर की तरफ से स्पिनर रोशन केवट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 22 रन देकर 2 विकेट लिए, लेकिन वे अपनी टीम को लगातार दूसरी हार से नहीं बचा सके।

**संक्षिप्त स्कोर**

इंदौर पिंक पैथर्स : 20 ओवर में 148/8 (वेंकटेश अय्यर 33, शिवम शुक्ला 28, शुभम राठौर 24\*, पंकज पटेल 3/30, राहुल बाथम 2 विकेट) जबलपुर रायल लायंस : 18 ओवर में 149/5 (अजय रोहेश 51, रितिक टाडा 47\*, संजोग निज्जार 23\*, रोशन केवट 2/22)।

## एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के हिमांशु घुसर ने जीते दो स्वर्ण पदक

भोपाल। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कोलार रोड में आयोजित 48वें राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन देशभर से आए खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मध्य प्रदेश के सचिव डॉ. आनंद प्रसाद शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में 12 राज्यों के लगभग 250 खिलाड़ी और अधिकारी भाग ले रहे हैं।

दूसरे दिन विभिन्न आयु और भार वर्गों में रोमांचक मुकाबले हुए, जिनमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। सब जूनियर अंडर-50 किलोग्राम वर्ग में उत्तर प्रदेश के कुलदीप ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि जम्मू-कश्मीर के अरमान खान दूसरे स्थान पर रहे। अंडर-55 किलोग्राम वर्ग में अदवान खान ने स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के खिलाड़ी हिमांशु घुसर के नाम रही। हिमांशु ने यूथ पुरुष वर्ग (+55 किलोग्राम राइट हैंड) और सीनियर पुरुष वर्ग (अंडर-55 किलोग्राम राइट हैंड) में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। यूथ वर्ग में जम्मू-कश्मीर के इरशाद अहमद को रजत और मोहम्मद



शादाब को कांस्य पदक मिला।

अंडर-90 किलोग्राम वर्ग में उत्तर प्रदेश के हिमांशु यादव ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मास्टर वर्ग में पंजाब के दिनेश कुमार और ग्रेंड मास्टर वर्ग में उत्तर प्रदेश के दलबर्ष सिंह चाहर विजेता रहे। हिमांशु घुसर की दोहरी सफलता पर एलएनसीटी यूनिवर्सिटी परिवार, खेल प्रेमियों और आर्म रेसलिंग एसोसिएशन मध्य प्रदेश ने उन्हें बधाई दी है।

## वैभव को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमाना चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बाल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन



ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में शायद वह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौड़ों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि

किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हैं। उनके अनुसार खेल की बुनियादी समझ और धैर्य विकसित करने में ऐसे प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों की चुनौतियों पर नाट करके हुए अश्विन ने कहा कि आज के दौर में क्रिकेट पहले से कहीं अधिक तेज गति से बदल रहा है। टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के कारण खेल अधिक हाई-स्कोरिंग हो गया है और गेंदबाजों को हर गेंद पर नई रणनीति के साथ उतरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब केवल विकेट लेने की सोच पर्याप्त नहीं है, बल्कि गेंदबाजों को टीम रणनीति के तहत सामूहिक रूप से काम करना होगा। अश्विन ने माना कि क्रिकेट अब उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को हर गेंद पर सतर्कता का समाधान तलाशना पड़ता है। उनके अनुसार जो खिलाड़ी इस मानसिकता को अपनाएंगे, वही भविष्य में खेल को नए स्तर तक ले जाएंगे।

## श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान, आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगारकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कप्तान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिवकल को उपकप्तान बनाया गया है।



इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा। गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को

शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जोशान अंसारी, सारांश जैन और आलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। 2 चार दिवसीय टेस्ट के लिए भारत की ए टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान, विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष बडोनी, देवदत्त पडिवकल (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीशन, अमन मोखड़े, शेख रशीद और जोशान अंसारी।